विश्वविद्यालय
सरकारी पतेल विश्वविद्यालय भारत भोपाल गया
पूर्व : 17 अंक : 6 14-02-2007 समाप्ति अंक : 187

परम पाठक + महत भूमिका + तिलक + तीन भाषाएं रोजाना +
उपलब्ध तिथियों + मनोज सांतेकी

संपादकीय

एस तिथि आज का जानिया...

तपस्यामात्र ही पुरुषों का आलादय युक्त है। इतिहास पर आगे बढ़ने की पोताना सुया गर्वत घरना, पर्फुम सुमुखी दृष्टि पायें जेशी बादशाह है। अभी शायद प्राण शरीर को ही अपने छात्र बालाकोटी सुमारे है। अभी तीनों बालाकोटी सबका लाभ है। भारतीय दलितों को मिलता है।

题材的概要

排版错误

- 印刷不良
- 字体模糊
- 文字重叠
Sarada Patel Commerce College, Boriavi participated in the seminar on, "Impact of Technology on Business - issues, opportunities and challenges" organised by Department of Commerce including Buisness Administration, M.S. University of Baroda on 7th January, 2007. They also presented a paper on, "Media, Technology and Economic Development."

Shri Ram Jhala's paper was on "Opportunities and Challenges" and was well received by the audience. The paper highlighted the importance of technology in business and the challenges faced in its integration. The audience was impressed by the depth of research and the practical examples provided. The seminar was attended by a large number of students and faculty members from various colleges, and the feedback was overwhelmingly positive. The organizers are planning to hold similar seminars in the future to continue the discussion on the important topic of technology in business.
पता हिन्दी लघुपति युवकों के साथ युवकों का था जो द युवकों के साथ समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है। जो कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।

अनेक अभियां और अभियां विश्वास आता है कि आज का युवकों का समय तथा युवकों की भूमिका है।
Department in News

NAAC अंतर्गत इंस्टिट्यूट अंतर्गत आधुनिक विद्यालय, सत्तार पेटेल विद्यापीठ तथा जूनागढ़ जंगल रैली लेखक ने 1986 वर्ष के 1987 वर्ष में विद्यालय के अध्यक्ष के रूप में निर्देशन की। नीचे दिए गए विवरण के माध्यम से उत्तराखंड अंतर्गत इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष के रूप में पेटेल विद्यापीठ के अध्यक्ष के रूप में निर्देशन की। नीचे दिए गए विवरण के माध्यम से उत्तराखंड अंतर्गत इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष के रूप में पेटेल विद्यापीठ के अध्यक्ष के रूप में निर्देशन की। नीचे दिए गए विवरण के माध्यम से उत्तराखंड अं�र्गत इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष के रूप में पेटेल विद्यापीठ के अध्यक्ष के रूप में निर्देशन की।
Department of Physics was recently awarded the coveted FIST programme by the DST - New Delhi, for building up scientific facilities and infrastructure here. An amount of Rs. Two crores has been sanctioned under this project, wherein sophisticated instruments like, 'Single-Crystal X-ray spectromter' and 'Magnetron sputtering unit' will be procured for the purpose of carrying out advanced level research, over the next five years.

A one-day seminar on 'Current trends in physical sciences' was organized at the Department on Feb. 3rd jointly with Indian Physics Association-VVN chapter and the Community Science Centre-SPU. The seminar was inaugurated with the invited lecture on 'Carbon nano-tubes' by Prof. V. D. Vankar of I.I.T., Delhi. Prof. Potbhare and Dr. C.J. Panchal of MSU-Vadodara also gave illuminating lectures. Young scientist and past student of the Dept, Hitesh Pandya of IPR, Gandhinagar highlighted the Indian participation in the International Thermonuclear-fusion experimental research. The seminar got an international touch when Chirag Jhala (past student), who is doing Ph. D. at Max Planck Institute, Germany, also participated and gave a talk. A state-level competition for M.Sc. Physics students was also arranged in the afternoon.
Faculty in News

Prof Kiran Kalia of the Department of Biosciences visited Purdue University USA, for three months (September - December 2006) under short term overseas program of Department of Biotechnology, Ministry of Science and Technology, New Delhi. She conducted research as a Visiting Professor in the Neurotoxicology Laboratory of Prof Wie Zheng at School of Health Sciences, Purdue University, USA. She did an outstanding work in Manganese (Mn) toxicity studies, discovering the current theory that Mn accumulates in Mitochondria and pins point that the nucleic as well as cytosolic proteins may be the targets for Mn toxicity.
Museums Association of India

‘New Horizons in the Spheres of Television and Museum by the use of World Wide Web’

Museums of the World

A Descriptive Catalogue on Sanskrit Manuscripts possessed by University Museum

UGC

National Assessment and Accreditation Council (NAAC)

National Museum Institute (Deemed University)
Agro-Economic Research Centre for Gujarat & Rajasthan

A research team of Agro Centre has prepared two reports about the Review of State Agricultural Policy of Gujarat and Rajasthan States. On the invitation of the Ministry of Agriculture, Govt. of Rajasthan (GoR), a team comprising of Dr. P.K. Singh (Hon. Director), Dr. Mahesh Pathak (Hon. Advisor), Dr. H.F. Patel (Expert) and Dr. D. Bagchi (Principal Investigator and Author of the report) visited Jaipur on October 11, 2006 for discussion and presentation of the findings.

Dr. Bagchi made a Power Point Presentation of the report before the Principal Secretary (Agriculture), Additional Secretary (Agriculture), Directors of different Directorates, Subject Experts, NGOs, etc. Likewise, the report about Gujarat State (prepared by Dr. A.S. Patel) was presented by Dr. P. K. Singh on November 30, 2006 at Ahmedabad; before Shri Bhupendrasinh Chudasama, Hon'ble Minister for Agriculture (GoG); Principal Secretary (Agriculture); Director of Agriculture; Managing Director, Agro Industries Corporation; Directors and Senior Officers of other Departments; Vice-Chancellors and Directors of research from State Agriculture Universities. Reports of both States were discussed in detail, commented upon and appreciated.

On December 28, 2006, the Centre and P.G. Department of Economics, jointly organised a function to felicitate Dr. V.S. Vyas, a distinguished economist of international repute. Dr. Vyas is a Padma Bhushan awardee. He is the founder Director of Agro Centre and the former Head of Economics Department. He was the Director of IIM, Ahmedabad and Director, Institute of Development Studies, Jaipur. Prof. Vyas has also served in World Bank. Prof. Vijay Shankar Vyas has many more distinctions to his credit. He has worked as Chairman and member of very important committees, boards and commissions both at Central and State levels. Presently, he is the member of the Advisory Committee on Agriculture and Rural Development to the Prime Minister. The family of Sheel Shrutam-Sardar Patel University wishes Dr. V. S. Vyas a happy and healthy life.

Recently, on December 29, 2006, Shri A.K. Parashar, Advisor, Directorate of Economics & Statistics, Ministry of Agriculture, GOI visited the Agro Centre and the Department of Economics and had frank and healthy discussion with the staff and faculty, on the contemporary issues of development.

Hostel in News

26 जनवरी 2007 के दिन नेहरू हॉल हार्स्टल परिवार ने 50 वें गणतंत्र दिवस समारोह को आयोजित किया। ध्याज्ञान, के मुख्य अधिकरण स्वतंत्रता समारोह सेलनी श्री महाराजा एक पाण्यार के कर कमल द्वारा विध्वंसित कर रही में हुए। ध्याज्ञान के प्रवासी उन्हें गुरु पूजा की अपराध प्रवास दिया। श्री महाराज एक पाण्यार ने 1942 के हिन्दु छोटे आदिनाथ में मारा लिया, जिसके लिए अंतवाले ने उन्हें हूँकि; महत्त्व की कारावास करने। ध्याज्ञान समारोह का साधन संचालन और आयोजन मुख्य स्वयं से हार्स्टल निरीक्षक डॉ.। बलदेव आंगना तथा हार्स्टल के महात्मा सेक्ट्रेटरी विज्ञ मचाना, विवाही प्रतिनिधि शिबकांड तेरेया और कर्मचारी के सहयोग से सफल हुआ।
<table>
<thead>
<tr>
<th>No.</th>
<th>Name of Prize or Award</th>
<th>Yash Felicitation Prize Details</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>Prof. V.S. Vyas Felicitation Prize</td>
<td>Vishalkumar Chandulal M.A. (Prev.) Chudasama Economics</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>Prof. V.S. Vyas Felicitation Prize</td>
<td>Vishalkumar Chandulal M.A. (Prev.) Chudasama Economics</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>Prof. V.S. Vyas Felicitation Prize</td>
<td>Vishalkumar Chandulal M.A. (Prev.) Chudasama Economics</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>Prof. V.S. Vyas Felicitation Prize</td>
<td>Vishalkumar Chandulal M.A. (Prev.) Chudasama Economics</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>Prof. V.S. Vyas Felicitation Prize</td>
<td>Vishalkumar Chandulal M.A. (Prev.) Chudasama Economics</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>Prof. V.S. Vyas Felicitation Prize</td>
<td>Vishalkumar Chandulal M.A. (Prev.) Chudasama Economics</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>Prof. V.S. Vyas Felicitation Prize</td>
<td>Vishalkumar Chandulal M.A. (Prev.) Chudasama Economics</td>
</tr>
<tr>
<td>8.</td>
<td>Prof. V.S. Vyas Felicitation Prize</td>
<td>Vishalkumar Chandulal M.A. (Prev.) Chudasama Economics</td>
</tr>
<tr>
<td>11.</td>
<td>Prof. V.S. Vyas Felicitation Prize</td>
<td>Vishalkumar Chandulal M.A. (Prev.) Chudasama Economics</td>
</tr>
<tr>
<td>12.</td>
<td>Prof. V.S. Vyas Felicitation Prize</td>
<td>Vishalkumar Chandulal M.A. (Prev.) Chudasama Economics</td>
</tr>
</tbody>
</table>
Chromium Toxicity

Chromium:
Chromium (Cr) is a naturally occurring element found in rocks, animals, plants, soil and in volcanic dust and gases. Chromium is a heavy metal and is present in the environment in several different forms. The most common forms are chromium (0), chromium (III) and chromium (VI). No taste or odor is associated with chromium compounds.

Chromium (III) occurs naturally in the environment and is an essential nutrient. Chromium (VI) and chromium (0) are generally produced by industrial processes.

The metal chromium, which is the chromium (0) form, is used for making steel. Chromium (VI) is used for chrome plating, dyes and pigments, leather tanning and wood preserving.

What Happens to Chromium When it Enters the Environment:
• Chromium enters the air, water, and soil; mostly in the chromium (III) and chromium (VI) forms.
• In air, chromium compounds are present, mostly as fine dust particles - which eventually settle over land and water.
• Chromium can strongly attach to soil and only a small amount can dissolve in water and move deeper in the soil to underground water.

How Might I Be Exposed to Chromium:
• Eating food containing chromium.
• Breathing contaminated workplace air or skin contact during use in the workplace.
• Drinking contaminated well water.
• Living near uncontrolled hazardous waste sites containing chromium or industries that use chromium.

How Can Chromium Affect my Health:
Chromium (III) is an essential nutrient that helps the body use sugar, protein and fat.
Breathing high levels of chromium (VI) can cause irritation to the nose, such as runny nose, nosebleeds and ulcers and holes in the nasal septum.
Ingesting large amounts of chromium (VI) can cause stomach upsets and ulcers, convulsions, kidney and liver damage, and even death.

Skin contact with certain chromium (VI) compounds can cause skin ulcers. Some people are extremely sensitive to chromium (VI) or chromium (III). Allergic reactions consisting of severe redness and swelling of the skin have been noted.
Several studies have shown that chromium (VI) compounds can increase the risk of lung cancer. Animal studies have also shown an increased risk of cancer.

Efforts to Detoxify Chromium:
Among conventional industrial processes, to remove chromium - the most commonly used is precipitation as chromium hydroxide. However, these methods suffer from disadvantage due to their relatively high operational cost. Conversely, in recent years, a promising alternative biotechnological method for chromium removal uses microorganisms to detoxify or decrease toxicity of chromium. Microorganisms are known for their chromium tolerance by means of following mechanisms:

Adsorption: Physical adsorption of Cr takes place by interaction between the metal ions in solution and cell wall of microbial cell by means of electrostatic interactions.

Efflux: Here, chromate tolerance is conferred by several proteins, which reduce accumulation of chromate ions by repeated extrusion of chromate ions.

Reduction: Several bacterias are capable of reducing Cr (VI) to Cr (III), under aerobic and anaerobic conditions. This biological transformation of the very toxic Cr (VI) to less toxic and less mobile Cr (III), serves as an alternate to various physical and approaches for Cr detoxification.

Such microorganisms described above show promise for chromium reduction and hence its bioremediation, which is potentially more cost effective than traditional physical or chemical methods, in the treatment of environment contaminated with chromium.

B Kavita
Department of Biosciences
The natural text representation of the document is not possible as the content is not translatable or interpretable.
In the 21st century, an illiterate will not just be one who cannot read and write, but will be one who cannot learn, unlearn and relearn.
Sheel Shrutam welcomes readers’ contributions in the form of news, views, ideas and information for publication. Please send your contributions before 1st week of every month to Param Pathak, Department of Gujarati, Sardar Patel University, Vallabhbh Vidyanagar 388 120.

Email: sheelshrutam@spu.ernet.in

Subscribe Today

<table>
<thead>
<tr>
<th>Annual</th>
<th>Life</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>Students</td>
<td>Rs.10.00 Faculty &amp; Staff : Rs.200.00</td>
</tr>
<tr>
<td>Others</td>
<td>Rs.15.00 Institutions &amp; Individuals : Rs.500.00</td>
</tr>
<tr>
<td>Institutions</td>
<td>Rs.100.00</td>
</tr>
</tbody>
</table>

Lifetime Subscription in Foreign Exchange:

| US $100.00 | €75.00 | £75.00 |

Contact: Publication Division, Bhaikaka Library Vallabh Vidyanagar 388 120

Registered with the Registrar of Newspaper for India.

Under No. G/AND-73 (B) Superscription PERIODICALS (S)

O. I. G. S. Book Post (Printed Matter)

If undelivered please return to:

The Registrar, Sardar Patel University, Vallabh Vidyanagar - 388 120 Gujarat India

Sheel Shrutam: A Monthly Newsletter of Sardar Patel University, for Private Circulation.
Published by Registrar, Sardar Patel University, Vallabh Vidyanagar, 388 120

Computerised Type set / Designed and Printed at University Press, Vallabh Vidyanagar

Views expressed in this Newsletter do not necessarily reflect the official policy of the University.